Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय – 15 | वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

QUIZ PART-02

1. **वृक्ष स्वयं कहाँ खड़े रहते हैं?**
   A. आतपे
   B. जले
   C. गृहे
   D. छायायाम् (A)

व्याख्या : सुभाषित के अनुसार वृक्ष स्वयं सूर्य की धूप में खड़े रहते हैं।

2. **वृक्ष किसके लिए छाया करते हैं?**
   A. केवलं स्वस्य
   B. पक्षिणां कृते एव
   C. अन्यस्य कृते
   D. केवलं पशूनाम् (C)

व्याख्या : वृक्ष स्वयं धूप सहते हुए दूसरे प्राणियों को छाया देते हैं।

3. **वृक्षों के फल किसके लिए होते हैं?**
   A. स्वार्थाय
   B. विनाशाय
   C. व्यापाराय
   D. परार्थाय (D)

व्याख्या : वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के हित के लिए देते हैं।

4. **सुभाषित में वृक्षों की तुलना किससे की गई है?**
   A. पर्वतैः
   B. सत्पुरुषैः
   C. पशुभिः
   D. नद्यः (B)

व्याख्या : दूसरों का हित करने के कारण वृक्ष सत्पुरुषों के समान माने गए हैं।

5. **सज्जन व्यक्ति का प्रमुख गुण क्या होता है?**
   A. स्वयं कष्ट सहकर दूसरों का हित करना
   B. केवल अपना लाभ करना
   C. किसी की सहायता न करना
   D. दूसरों से फल लेना (A)

व्याख्या : सज्जन व्यक्ति कठिनाइयाँ सहकर भी दूसरों की भलाई करते हैं।

6. **कितने कुओं के समान एक वापी मानी गई है?**
   A. पञ्चकूपसमा
   B. शतकूपसमा
   C. दशकूपसमा
   D. द्विकूपसमा (C)

व्याख्या : सुभाषित में एक वापी को दस कुओं के समान उपयोगी बताया गया है।

7. **दस वापियों के समान क्या होता है?**
   A. एकः कूपः
   B. एकः ह्रदः
   C. एकः पुत्रः
   D. एकः द्रुमः (B)

व्याख्या : सुभाषित के अनुसार एक ह्रद अर्थात् तालाब दस वापियों के समान होता है।

8. **एक पुत्र कितने ह्रदों के समान माना गया है?**
   A. पञ्चह्रदसमः
   B. शतह्रदसमः
   C. एकह्रदसमः
   D. दशह्रदसमः (D)

व्याख्या : एक पुत्र अथवा सन्तान को दस ह्रदों के समान महत्त्वपूर्ण बताया गया है।

9. **एक वृक्ष कितनी सन्तानों के समान मूल्यवान है?**
   A. दशपुत्रसमः
   B. पञ्चपुत्रसमः
   C. द्विपुत्रसमः
   D. शतपुत्रसमः (A)

व्याख्या : सुभाषित में एक वृक्ष को दस सन्तानों के समान मूल्यवान बताया गया है।

10. **इस भाग का मुख्य संदेश क्या है?**
   A. अधिक भवन बनाना चाहिए।
   B. केवल कुएँ खोदने चाहिए।
   C. सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए।
   D. वृक्षों के फल नहीं खाने चाहिए। (C)

व्याख्या : वृक्ष अत्यन्त उपयोगी और मूल्यवान हैं, इसलिए सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए।